# बीएचईएल का मेक इन इंडिया-व्यवसाय विकास समूह

नई दिल्ली, 4 सितंबर: बीएचईएल की स्थापना विद्युत क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के उद्देश्य से 1964 में की गई थी। कंपनी इस अपेक्षा पर खरी उतरी है और विद्युत क्षेत्र के सभी खंडों जैसे विद्युत उत्पादन (कोयला, गैस, लिग्नाइट, जल, परमाणु, नवीकरणीय) और विद्युत पारेषण के सभी प्रकार के उपकरण विनिर्माण में कार्यरत है। बीएचईएल द्वारा आपूर्ति किए गए उपकरण देश में उत्पादित विद्युत में 50% से अधिक का योगदान देते हैं। इन वर्षों में, कंपनी ने अर्थव्यवस्था के मुख्य क्षेत्रों जैसे परिवहन, रक्षा, एयरोस्पेस, जल, तेल और गैस, आदि में इंजीनियरिंग और विनिर्माण गतिविधियों की एक विस्तृत एवं विविध श्रृंखला प्राप्त की है, और देश में स्वदेशी निर्माण में अग्रणी रही है।

बीएचईएल ने माननीय प्रधान मंत्री जी के आत्मनिर्भर भारत स्वप्न को साकार करने की दिशा में कई कदम उठाए हैं। इन कदमों में, वैश्विक विनिर्माण कंपनियों को बीएचईएल सुविधाओं और क्षमताओं का लाभ उठाकर भारत में विनिर्माण आधार स्थापित करने हेतु आमंत्रित करने वाला एक्सप्रेशन ऑफ इंट्रेस्ट जारी करना और प्रमुख आयातों विशेषकर पूंजीगत वस्तु क्षेत्र के स्वदेशीकरण की दिशा में प्रयास करना सम्मिलित है। इस दिशा में और आगे बढ़ते हुए, कंपनी ने हाल ही में इन गतिविधियों पर पूरा ध्यान केंद्रित करने के लिए एक नया व्यापार कार्यक्षेत्र "मेक इन इंडिया (एमआईआई)- बिजनेस डेवलपमेंट ग्रुप" स्थापित किया है।

इस समूह पर कंपनी में घरेलू विनिर्माण में वृद्धि के अवसरों की पहचान करने; 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड ' की दिशा में वैश्विक उपकरणों के मौलिक निर्माताओं के साथ काम करने, और कंपनी एवं देश द्वारा वर्तमान में आयात किए जा रहे ऐसे उत्पादों की पहचान करने जिन्हें बीएचईएल द्वारा विकसित / विनिर्मित किया जा सकता है, का दायित्व है। इस प्रयास का उद्देश्य कंपनी को आत्मनिर्भर भारत के अंतर्गत देश की आवश्यकताओं के साथ पूर्ण संरेखण सुनिश्चित करना और इसी के साथ अपनी क्षमताओं के उपयोग में वृद्धि करना है।

समूह हाल के दिनों में कंपनी द्वारा 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' और आत्मनिर्भर भारत के उद्देश्यों के अनुरूप की गई पहलों का एकीकरण करेगा। इसमें निम्नलिखित सम्मिलित है:

1) वर्तमान में कंपनी द्वारा खरीदी / आयात की जा रही वस्तुओं का घरेलू स्तर पर विकास व विनिर्माण।
2) देश के इंजीनियरिंग आयात खंड की प्रमुख वस्तुओं का घरेलू स्तर पर विकास व विनिर्माण।
3) भारत के लिए और साथ ही निर्यात के लिए वस्तुओं के विनिर्माण / सब-असेंबली के लिए वैश्विक उपकरणों के मौलिक निर्माताओं के साथ काम करना।
इस पहल से अपेक्षा है कि आत्मनिर्भर भारत अभियान में योगदान करने के लिए बीएचईएल के प्रगतिशील प्रयासों को और अधिक बल मिलेगा।